Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

04 मार्च 2026

वर्ष - 03, अंक - 44 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

नीमच पुलिस का बड़ा धमाका : 12 लाख के सोने की चोरी का चंद घंटों में खुलासा

मालिक को चूना लगाने वाला मुनीम ही निकला मास्टरमाइंड

नीमच। शहर के व्यस्ततम इलाके में दिनदहाड़े 65 ग्राम सोना चोरी होने की सनसनीखेज वारदात का नीमच कैंट पुलिस और साइबर सेल ने महज कुछ ही घंटों में पर्दाफाश कर दिया है। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस मुनीम ने अज्ञात बदमाश द्वारा जेब काटने की कहानी रची थी, असल में वही चोर निकला। पुलिस ने आरोपी मुनीम को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी किया गया शत-प्रतिशत सोना बरामद कर लिया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 12 लाख रुपये आंकी गई है।

साजिश की कहानी और पुलिस की कार्रवाई - घटना सोमवार, 2 मार्च 2026 की है, जब तिलक मार्ग निवासी मंगलम ज्वेलर्स के संचालक मनीष सिंहल ने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

उन्होंने बताया कि उनका विश्वासपात्र मुनीम दिलखुश नागदा 65 ग्राम शुद्ध सोने का डल्ला लेकर स्वास्तिक बुलियन से लौट रहा था, तभी डॉ. फजल रहमान वाली गली में किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी जेब से सोना पार कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल ने तत्काल नीमच कैंट थाना प्रभारी नीलेश अवस्थी और साइबर सेल की एक संयुक्त टीम गठित कर लुटेरों की तलाश के निर्देश दिए।

सीसीटीवी और तकनीकी साक्ष्यों ने खोला राज - जांच के दौरान जब पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और समय का विश्लेषण किया, तो मुनीम की बताई कहानी संदिग्ध लगने लगी। पुलिस को तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मुनीम के बयानों में विरोधाभास नजर आया। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया और सीएसपी किरण चौहान के मार्गदर्शन में मुनीम दिलखुश नागदा को थाने लाकर मनोवैज्ञानिक तरीके और हिकमत अमली से पूछताछ की गई। पुलिस की सख्ती के आगे आरोपी ज्यादा देर टिक नहीं पाया और उसने स्वीकार किया कि उसने अपने मालिक के सोने को हड़पने के उद्देश्य से यह पूरी मनगढ़ंत कहानी रची थी।

गबन के इरादे से छिपाई थी 12 लाख की संपत्ति - आरोपी दिलखुश ने कबूला कि उसने चोरी की झूठी घटना रचकर 65 ग्राम सोना घटनास्थल के पास ही एक सुरक्षित स्थान पर छिपा दिया था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर 12 लाख रुपये मूल्य का सोना बरामद कर उसे धारा 303 (2) बी.एन.एस. के तहत गिरफ्तार कर लिया है।

इस त्वरित और सफल कार्यवाही में थाना प्रभारी नीलेश अवस्थी, साइबर सेल प्रभारी प्रदीप शिंदे और उनकी टीम के आरक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस प्रशासन की इस मुस्तैदी की शहर के व्यापारिक संगठनों ने जमकर प्रशंसा की है।

प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों का डीए बढ़कर हुआ 58 प्रतिशत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिया होली का तोहफा

शासकीय सेवकों को मिलेगा 3 प्रतिशत अतिरिक्त महंगाई भत्ता - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एरियर मई 2026 से प्रारंभ होकर 6 समान किश्तों में दिया जाएगा पेंशनरो को भी मिलेगा लाभ

नीमच 2 मार्च (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को उल्लास एवं रंगों के त्यौहार होली की बधाई और मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों को होली के तोहफे के रूप में डीए में वृद्धि की सौगात दी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में 3 प्रतिशत की वृद्धि करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों और पेंशनर्स का महंगाई भत्ता 55 प्रतिशत से बढ़कर अब 58 प्रतिशत हो जाएगा ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य के कर्मचारियों को भारत सरकार के समान माह अप्रैल 2026 पेड इन मई 2026 के वेतन पर 58 प्रतिशत महंगाई भत्ते का लाभ दिया जाएगा। इसमें जुलाई 2025 से मार्च 2026 तक के एरियर की राशि मई 2026 से प्रारंभ कर 6 समान किश्तों में भुगतान करने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य के सभी पेंशनधारियों को भी जनवरी 2026 पेड इन फरवरी 2026 से 58 प्रतिशत महंगाई राहत का लाभ दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में हमारी सरकार किसानों सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए काम कर रही है। किसान कल्याण वर्ष में सोमवार को ही पहली कृषि कैबिनेट बड़वानी जिले में हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि होली परस्पर आत्मीय प्रेम भाव बढ़ाने का त्यौहार है। हम सभी हर्ष और आनंद के साथ होली मनाएं और राज्य की बेहतरी के लिए मिल-जुलकर कार्य करें।

भक्ति और उत्साह के साथ नीमच के दशहरा मैदान में हुआ होलिका दहन

धुलेण्डी पर्व आज 4 मार्च बुधवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा और होली उत्सव समिति द्वारा बारादरी से पुस्तक बाजार तक रंगारंग गैर भी निकाली जाएगी । जो हर वर्ष आकर्षण का केन्द्र रहती है ।

नीमच। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक होली का पर्व नीमच शहर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसी क्रम में शहर के प्रमुख केंद्र दशहरा मैदान पर सोमवार रात्रि को शुभ मुहूर्त में पारंपरिक विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ होलिका दहन संपन्न हुआ । शाम से ही दशहरा मैदान पर श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया था। मोहल्ला समितियों और वरिष्ठजनों की उपस्थिति में होलिका पूजन किया गया, जिसके बाद अग्नि प्रज्वलित की गई। जैसे ही होलिका की लपटें उठीं, उपस्थित जनसमूह ने 'होली माता की जय' के जयकारे लगाए और सुख-समृद्धि की कामना की। लोगों ने नई फसल (गेहूं की बालियां) को होलिका की अग्नि में सेंककर एक-दूसरे को पर्व की बधाई दी।

मैदान पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन की चाक-चौबंद व्यवस्था रही। नगर पालिका द्वारा भी साफ-सफाई और पानी के विशेष प्रबंध किए गए थे। होलिका दहन के बाद अब शहर में धुलेंडी (रंगों के त्यौहार) को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है, जिसकी तैयारियां बाजारों में जोर-शोर से जारी हैं।

भक्ति के रंगों में रंगा भूतेश्वर महादेव मंदिर महिला मंडल ने धूमधाम से मनाया फाग उत्सव

नीमच । फाल्गुन मास की शुरुआत के साथ ही नगर में होली की खुमारी छाने लगी है। इसी कड़ी में सोमवार, 1 मार्च को श्री भूतेश्वर महिला मंडल द्वारा ऐतिहासिक भूतेश्वर महादेव मंदिर परिसर में भव्य फाग उत्सव का आयोजन किया गया। भगवान शिव के सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में भक्ति और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला।

भजनों की प्रस्तुति पर झूमीं महिलाएं - उत्सव के दौरान महिला मंडल की सदस्यों ने भगवान भूतेश्वर का विशेष श्रृंगार किया और फाग के गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। 'होली खेलें मसाने में...' और 'आज बिरज में होरी रे रसिया...' जैसे पारंपरिक भजनों पर महिलाएं जमकर झूमीं। पूरा मंदिर परिसर अबीर-गुलाल और पुष्पों की वर्षा से सराबोर हो गया, जिससे वातावरण पूरी तरह से होली के रंग में रंग गया।

परंपरा और सौहार्द का संदेश - महिला मंडल की पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महादेव के दरबार में होली खेलने की परंपरा को निभाया गया है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य सामूहिक रूप से त्योहार मनाकर आपसी प्रेम और सौहार्द को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम के अंत में भगवान की महाआरती की गई और उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय महिलाएं मौजूद रहीं।

820 ग्राम अवैध अफीम के साथ युवक गिरफ्तार, बिना नंबर की बाइक भी जब्त

पिपलिया मण्डी 2 मार्च (निप्र)। नारायणगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत चौकी बुढा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 820 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से बिना नंबर की हीरो एचएफ डिलक्स मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि गुराडिया लाल मुहा निवासी दिलीप पिता तुलसीराम पाटीदार अपने पेट पर अफीम बांधकर बिना नंबर की काले रंग की हीरो एचएफ डिलक्स मोटरसाइकिल से मंदसौर होते हुए नापाखेड़ा चौपाटी की ओर किसी तस्कर को देने जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने संजीत-मंदसौर रोड पर सिंदपन गांव के आगे सांवरा माता मंदिर के पास घेराबंदी की। कुछ देर बाद बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर एक युवक आता दिखाई दिया, जिसे रोकने का प्रयास किया गया। चालक भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम दिलीप पाटीदार (29) निवासी गुराडिया लाल मुहा जिला मंदसौर बताया। तलाशी लेने पर आरोपी के जैकेट के अंदर कमर पर बंधे गमछे में प्लास्टिक की थैली में काले मटमैले रंग का पदार्थ मिला। जांच में वह अवैध अफीम पाया गया। तौलने पर उसका वजन 820 ग्राम निकला। तस्करी में प्रयुक्त साथ ही बिना नंबर की हीरो एचएफ डिलक्स मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। आरोपी के विरुद्ध धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार किया गया।

नीमच के होनहारों ने बढ़ाया नगर का मान सीए व सीएस परीक्षा में शानदार सफलता

नीमच। नगर के प्रतिभाशाली युवाओं ने एक बार फिर अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन से नीमच का नाम रोशन किया है। हाल ही में घोषित चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) एवं कंपनी सेक्रेटरी (सीएस) की परीक्षाओं के परिणामों में नीमच के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर परिवारजनों व नगरवासियों को गौरवान्वित किया है। नीमच सिटी निवासी स्वर्गीय शंकरलाल सिंहल के दोहिते एवं स्वर्गीय सुनीता देवी (सुड्डी) के सुपुत्र पियूष सिंहल ने सीए की फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण कर चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का गौरव प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि पर परिजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसी क्रम में विभूति, सुपुत्री हिम्मतकुमार जैन ने सीए फाइनल के दोनों ग्रुप प्रथम प्रयास में ही उत्तीर्ण कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रथम प्रयास में मिली इस सफलता ने न केवल परिवार बल्कि पूरे समाज का मान बढ़ाया है। वहीं नीमच निवासी जुमाना गौहर, सुपुत्री आमेना–असगर अली गौहर ने कंपनी सेक्रेटरी (सीएस) की परीक्षा के सभी ग्रुप प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण कर सीएस बनने का गौरव प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि को नगर में विशेष सराहना मिल रही है। इसके साथ ही आयुष गर्ग, पिता सुनील गर्ग ने भी सीए फाइनल परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का सपना साकार किया। परिणाम घोषित होते ही उनके निवास पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। इन सभी सफल विद्यार्थियों की उपलब्धि ने यह सिद्ध कर दिया है कि निरंतर परिश्रम, आत्मविश्वास और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं।

नीमच में सर्विस सेंटर पर गैस किट लगी वैन में भीषण आग

समय रहते आग पर पाया काबू, बड़ा हादसा टला, जनहानि नहीं

नीमच 2 मार्च (निप्र)। नीमच शहर में केंट थाना क्षेत्र अंतर्गत महू रोड स्थित ए टू जेड कार सर्विस सेंटर पर सोमवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सर्विस के लिए आई एलपीजी गैस किट युक्त मारुति वैन में अचानक भीषण आग लग गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वैन में मैकेनिकल कार्य चल रहा था। इसी दौरान कथित रूप से गैस लीकेज होने से इंजन के पिछले हिस्से से अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे वहां मौजूद कर्मचारियों और ग्राहकों में हड़कंप मच गया। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए सर्विस सेंटर स्टाफ और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए अग्निशमन यंत्रों और पानी की सहायता से आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि वैन का पिछला हिस्सा काफी हद तक क्षतिग्रस्त हो गया। समय रहते आग बुझा लेने से आसपास खड़े अन्य वाहनों और घनी आबादी वाले क्षेत्र में बड़ा नुकसान होने से बच गया।

होली पर कुम्हारा गली में नई सड़क की सौगात

14.23 लाख की लागत से 350 मीटर लंबी सड़क का डामरीकरण, नपाध्यक्ष ने किया निरीक्षण

नीमच 2 मार्च (निप्र)। नगर पालिका परिषद नीमच द्वारा नगरपालिका अध्यक्ष स्वाति गौरव चोपड़ा के मार्गदर्शन में शहर में विकास कार्यों की श्रृंखला लगातार जारी है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों का चौड़ीकरण, डामरीकरण, सीसी रोड निर्माण, बगीचों का कायाकल्प और नाली निर्माण जैसे कई कार्य किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 22 के अंतर्गत कुम्हारा गली चौराहा से हम्माल मोहल्ला चौराहा तक करीब 14.23 लाख रुपए की लागत से बनने वाली 350 मीटर लंबी और लगभग 5 मीटर चौड़ी सड़क के डामरीकरण कार्य का निरीक्षण होली के दिन 2 मार्च को किया गया। नपाध्यक्ष स्वाति गौरव चोपड़ा पार्षद अरुण प्रजापति के साथ मौके पर पहुंचीं और क्षेत्रवासियों की उपस्थिति में कार्य की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। उन्होंने ठेकेदार को गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए।

ये रहे मौजूद - निरीक्षण के दौरान वासुदेव गर्ग, शिव माहेश्वरी, शंकर बंसल, अरुण प्रजापति, आलोक सोनी, नपा इंजीनियर अतुल मोरे, अर्जुनसिंह राठौर सहित क्षेत्र के कई महिला-पुरुष मौजूद रहे।

गुलाल लगाकर किया स्वागत, होली की दी शुभकामनाएं

निरीक्षण के दौरान क्षेत्रवासियों ने नई सड़क की सौगात मिलने पर नपाध्यक्ष स्वाति गौरव चोपड़ा और पार्षद अरुण प्रजापति का आभार जताया। लोगों ने गुलाल लगाकर दोनों का स्वागत किया और होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर स्वाति गौरव चोपड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश और प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है। सांसद सुधीर गुप्ता और विधायक दिलीपसिंह परिहार के मार्गदर्शन में नगर पालिका परिषद नीमच शहर के विकास को गति दे रही है। उन्होंने बताया कि वार्ड 22 में पार्षद अरुण प्रजापति की पहल पर कई विकास कार्य पूरे किए जा चुके हैं और शेष कार्य भी जल्द पूरे किए जाएंगे।

असमानताओं पर प्रहार, समानता का विस्तारः एक सार्थक पुकार

ललित गर्ग

सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ किया जा सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, धार्मिक और सांस्कृतिक मंच-सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व सामाजिक न्याय दिवस आज के समय में केवल असमानताओं पर प्रहार एवं समानता के विस्तार की एक सार्थक पुकार का अंतरराष्ट्रीय आयोजन ही नहीं, बल्कि वैश्विक चेतना का आह्वान है। वर्ष 2026 में यह दिवस विशेष महत्व ग्रहण कर रहा है, क्योंकि विश्व तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था, तकनीकी संक्रमण, जलवायु संकट, राजनीतिक ध्रूवीकरण और सामाजिक असमानताओं के बीच नई संतुलित व्यवस्था की तलाश में है। इस वर्ष की थीम 'समावेश को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना' हमें यह याद दिलाता है कि विकास तभी सार्थक है जब वह समावेशी हो और समावेशन तभी प्रभावी है जब वह न्यायपूर्ण हो। सामाजिक न्याय का अर्थ केवल अवसरों की समानता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक व्यवस्था की स्थापना का आग्रह करता है जिसमें संसाधनों, अधिकारों और गरिमा का निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित हो। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा की समान उपलब्धता नहीं मिलती, तब तक प्रगति अधूरी है। 2026 की थीम विशेष रूप से उन समुदायों की भागीदारी पर बल देती है जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं-चाहे वे आर्थिक रूप से वंचित हों, सामाजिक रूप से उपेक्षित हों या राजनीतिक रूप से प्रतिनिधित्व से दूर हों। समावेशन का सशक्तिकरण केवल नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि निर्णय-प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता का अधिकार है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई कई रूपों में दिखाई देती है। एक ओर तकनीकी क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है, तो दूसरी ओर पारंपरिक श्रम-आधारित रोजगार असुरक्षित होते जा रहे हैं। डिजिटल विभाजन नई सामाजिक दूरी का कारण बन रहा है। ग्रामीण और शहरी, विकसित और विकासशील, पुरुष और महिला, सक्षम और दिव्यांग-इन सबके बीच संसाधनों की असमान पहुंच सामाजिक तनाव को जन्म देती है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय का अर्थ है इन अंतरों को पहचानना और उन्हें पाटने के लिए लक्षित, संवेदनशील और पारदर्शी नीतियों का निर्माण करना। सम्मानजनक कार्य की अवधारणा भी सामाजिक न्याय के केंद्र में है। केवल रोजगार उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं, बल्कि ऐसा कार्य-संस्कृति बनाना आवश्यक है जिसमें उचित वेतन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो। आर्थिक विकास तभी टिकाऊ हो सकता है जब वह मानव गरिमा के साथ जुड़ा हो। यदि विकास केवल आंकड़ों में सीमित रह जाए और आम नागरिक के जीवन में राहत न ला सके, तो वह विकास नहीं, केवल विस्तार है।

मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र इस युग की अनिवार्यता बन चुका है। कोविड-19 महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि संकट किसी भी समाज को अचानक अस्थिर कर सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट और आर्थिक मंदी से निपटने के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। वृद्धजन, दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक-इन सभी के लिए संरक्षित ढांचा ही न्यायपूर्ण समाज की नींव है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में सामाजिक न्याय का विचार ऐतिहासिक और संवैधानिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। भारतीय संविधान ने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों के माध्यम से एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां जाति, धर्म, लिंग या वर्ग के आधार पर भेदभाव न हो। आज भी सामाजिक न्याय का प्रश्न केवल आर्थिक असमानता तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक पूर्वाग्रहों, लैंगिक भेदभाव, क्षेत्रीय असंतुलन और सांस्कृतिक असमानताओं से भी जुड़ा है।

समकालीन भारत में सामाजिक न्याय के संदर्भ में विभिन्न सरकारी योजनाओं और पहलों के माध्यम से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक और नशा-पीड़ित व्यक्तियों के सशक्तिकरण हेतु अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। सरकार का दृष्टिकोण यह रहा है कि सामाजिक न्याय विभाजन की राजनीति नहीं, बल्कि समावेशन की नीति के माध्यम से स्थापित हो। 'संतुष्टिकरण' बनाम 'तुष्टिकरण' की अवधारणा इसी दिशा में एक वैचारिक संकेत है, जो समाज को जोड़ने की बात करती है। फिर भी चुनौतियां शेष हैं। महंगाई, बेरोजगारी, पर्यावरणीय संकट और बढ़ती जीवन-यापन लागत आम नागरिक के लिए वास्तविक कठिनाइयां उत्पन्न करती हैं। लोकतंत्र का उद्देश्य केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं, बल्कि जनसंतोष और जनकल्याण सुनिश्चित करना है। यदि नागरिक स्वयं को असुरक्षित, असमान या उपेक्षित अनुभव करें, तो सामाजिक न्याय का आदर्श खोखला प्रतीत होने लगता है।

आज आवश्यकता है कि सामाजिक न्याय को केवल राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व के रूप में देखा जाए। हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि 'यह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं।' रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि 'मनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून है।' लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है। सामाजिक न्याय के लिए सामाजिक एकता भंग नहीं की जा सकती। शासन और प्रशासन की प्रत्येक नीति का अंतिम लक्ष्य मानव कल्याण होना चाहिए। यदि शक्ति के स्रोत जनहित में प्रयुक्त न हों, तो वे असंतोष और अविश्वास को जन्म देते हैं। विश्व सामाजिक न्याय दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। क्या हमारा लोकतंत्र समानता का लोकतंत्र है या विभेद का? क्या हमारी स्वतंत्रता सबके लिए समान अवसर लेकर आई है या केवल कुछ वर्गों तक सीमित है? क्या हमारी नीतियां पारदर्शिता और नैतिकता पर आधारित हैं या वे जटिलता और असमानता को बढ़ा रही हैं? इन प्रश्नों का उत्तर ईमानदारी से खोजना ही इस दिवस की सार्थकता है।

सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ किया जा सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, धार्मिक और सांस्कृतिक मंच-सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नई वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा और डिजिटल नवाचार नए अवसर प्रदान कर रहे हैं, वहीं यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इन अवसरों का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। अन्यथा विकास की गाड़ी कुछ लोगों को आगे ले जाएगी और शेष को पीछे छोड़ देगी। समावेशन का सशक्तिकरण इसी असंतुलन को रोकने का प्रयास है। प्रतिदिन कोई न कोई कारण महंगाई को बढ़ाकर हम सबको और धक्का लगा जाता है और कोई न कोई टैक्स, अधिभार हमारी आय को और संकुचित कर जाता है। जानलेवा प्रदूषण ने लोगों की सांसों को बाधित कर दिया, लेकिन हम किसी सम्यक समाधान की बजाय नये नियम एवं कानून थोप कर जीवन को अधिक जटिल बना रहे हैं। सामाजिक न्याय व्यवस्था तभी सार्थक है जब आम जनता निष्कंटक एवं समस्यामुक्त समानता का जीवन जी सके। 2026 का यह दिवस हमें यह संदेश देता है कि न्याय और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग सामाजिक न्याय से होकर ही गुजरता है। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मान, सुरक्षा और अवसर के साथ जीवन जी सके, तभी हम कह सकेंगे कि हमने सामाजिक न्याय के आदर्श को साकार किया है। इस तरह सामाजिक न्याय केवल नीति का प्रश्न नहीं, बल्कि चेतना का प्रश्न है। यह हमारे विचारों, व्यवहार और निर्णयों में परिलक्षित होना चाहिए। जब नागरिक और शासन दोनों मिलकर समानता, गरिमा और अवसर की संस्कृति का निर्माण करेंगे, तभी विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाने की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होगी। समावेश को सशक्त बनाकर और असमानताओं की खाई को पाटकर ही हम एक ऐसे समाज की रचना कर सकते हैं जो अधिक न्यायपूर्ण, अधिक मानवीय और अधिक स्थायी हो।

संपादकीय

अपराध की मंशा

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द करना, जिसमें ह्यबलात्कार के प्रयासह्न की परिभाषा बदल दी गई थी, केवल एक कानूनी सुधार मात्र नहीं है, बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह न्यायिक संवेदनशीलता और गंभीर मामलों मे न्यायिक दृष्टि की स्पष्टता की पुनः पुष्टि भी है। सर्वोच्च अदालत ने पॉक्सो एक्ट के साथ ही धारा 376 आईपीसी के तहत आरोप बहाल करके, इस बात पर भी बल दिया कि अपराध के इरादे को, प्रत्यक्ष कृत्य के साथ कमतर नहीं माना जा सकता है। दरअसल, हाईकोर्ट ने इस बाबत जो टिप्पणी की थी, उसको लेकर तल्ख प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, जिसे किसी सभ्य समाज की मान्यताओं के प्रतिकूल माना गया था। दरअसल, हाई कोर्ट ने माना था कि एक नाबालिग के उरोज पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी ढीली करना और उसे घसीटकर ले जाने का प्रयास दुराचार की तैयारी थी, न कि बलात्कार का प्रयास, क्योंकि इसमें अपराध की दिशा में कोई सीधा कदम नहीं उठाया गया था। स्वाभाविक रूप से इस तरह की संकीर्ण व्याख्या के खिलाफ समाज में प्रतिक्रिया होनी ही थी। कहीं न कहीं इस तंग व्याख्या से अपराधी के जघन्य इरादे और प्रयास की अवधारणा को कमजोर करने का जोखिम भी था। निस्संदेह, इस तरह की व्याख्या से महिलाओं का उत्पीड़न करने वाले अपराधी तत्वों के हौसले बुलंद ही होते। जाहिर है इस तरह की सोच कोई सभ्य समाज बर्दाश्त नहीं कर सकता है। यह सुखद ही है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस संकीर्ण व्याख्या वाले मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए सार्थक हस्तक्षेप किया है। दरअसल, आपराधिक कानून में, प्रयास तब माना जाता है, जब किसी अपराध की तैयारी उस कृत्य को अंजाम देने में बदल जाती है। जो कि इच्छित अपराध के निकट होती है। इस मामले में आरोप- शारीरिक छेड़छाड़, निर्वस्त्र करने और जबरन घसीटना, यदि सिद्ध हो जाते हैं, तो स्पष्ट रूप से यौन उत्पीड़न की ओर एक सुनियोजित कदम की पुष्टि कर देते हैं। जिसे केवल पीड़िता के करुण क्रंदन सुनने वाले प्रत्यक्षदर्शियों के हस्तक्षेप से ही रोका गया।

निस्संदेह, इसके विपरीत मानना यौन हिंसा की वास्तविकताओं और नाबालिगों की असुरक्षा को अनदेखा करना ही होगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप में एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि यह फैसला आरोपों की गंभीरता की पुष्टि करता है। ताकि पूर्व सुनवाई में साक्ष्यों की उचित संदर्भ में जांच की जा सके। ऐसे वक्त में जब देश की कई अदालतों के लैंगिक न्याय के प्रति दृष्टिकोण की कड़ी आलोचना हो रही थी, यह निर्णय इस बात की पुष्टि करता है कि कानूनी तर्क को संवैधानिक मूल्यों को बनाये भी रखना चाहिए। निर्विवाद रूप से, जिनका उद्देश्य किसी सभ्य समाज में नागरिकों को आसन्न खतरे से भी बचाना ही होता है। बहरहाल, इस प्रकरण में यह सार्थक हस्तक्षेप इस बात की पुष्टि भी करता है कि कानून बच्चों को न केवल अपराधियों द्वारा अंजाम दिए जा चुके अपराधों से बल्कि भविष्य में आसन्न अपराधों से भी बचाता है। इस प्रकरण के बाद कहा जा सकता है कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल न्यायिक जवाबदेही में संतुलन स्थापित किया, बल्कि आखिरकार आम लोगों के विश्वास को भी बहाल किया है।

चिंतन-मनन

सच को छुपाने का परिणाम

एक बार की बात है। एक व्यक्ति का पुत्र कमाने के लिए विदेश गया। विदेश कमाने गए पुत्र ने अपने पिता को एक बहुत ही सुंदर अंगूठी भेजी। पत्र में उसने लिखा, 'पिताजी! आपको मैं एक अंगूठी भेज रहा हूं। उसका मूल्य है पांच हजार रुपए। मुझे सस्ते में मिल गई थी, इसलिए मैंने आपके लिए खरीद ली' बेटे द्वारा भेजी गई अत्यंत सुंदर अंगूठी पाकर पिता प्रसन्न हो गया। पिता ने बड़े शौक से वह अंगूठी पहन ली। अंगूठी बहुत ही चमकदार और सुन्दर थी। बाजार में पिता को कई मित्र मिले। नई अंगूठी को देख कर सबने पूछा, 'यह कहां से आई?' पिता ने कहा, 'मेरे लड़के ने विदेश से भेजी है। इसे खरीदने में उसने पांच हजार रुपए खर्च किए' पिता का एक मित्र बोला, 'क्या इसे बेचोगे? मैं इस अंगूठी के पचास हजार रुपये दूंगा।' पिता ने सोचा, पांच हजार की अंगूठी के पचास हजार रुपये मिल रहे हैं। इतने रुपयों में ऐसी दस अंगूठियां आ जाएंगी। उसने अंगूठी निकाल कर दे दी और अपने मित्र से पचास हजार रुपए ले लिए। फिर उसने पुत्र को पत्र लिखा, 'तुमने शुभ मुहूर्त में अंगूठी भेजी। उसे मैंने पचास हजार रुपए में बेच कर पैंतालीस हजार रुपए का लाभ अर्जित कर किया'। लौटती डाक से पुत्र का पत्र आया, 'पिताजी! संकोच और भयवश मैंने आपको पिछले पत्र में सच्चाई नहीं लिखी थी। वह अंगूठी एक लाख की थी' यह सत्य को झुठलाने का परिणाम था।

रामपुरा में सौहार्द की गूँज : होली और रमजान से पहले पुलिस का फ्लैग मार्च, हुड़दंगियों को सख्त चेतावनी

रामपुरा। आगामी त्योहारों होली और रमजान के मद्देनजर रामपुरा नगर में शांति, सुरक्षा और आपसी भाईचारे का संदेश देने के लिए सोमवार को पुलिस प्रशासन ने सड़कों पर उतरकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जिला प्रशासन एवं पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के मार्गदर्शन तथा एडिशनल एसपी नवल सिंह सिसोदिया के दिशा-निर्देशन में रामपुरा पुलिस द्वारा नगर के प्रमुख मार्गों से भव्य फ्लैग मार्च निकाला गया।

यह मार्च रामपुरा थाने से शुरू होकर नगर के व्यस्ततम क्षेत्रों जैसे बस स्टैंड, अक्कल चौराहा, छोटा बाजार, शिवाजी चौराहा और लालबाग मैदान से होता हुआ पुनः बस स्टैंड पर संपन्न हुआ। इस दौरान प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी ने आमजन में सुरक्षा का भाव जगाया। फ्लैग मार्च में एसडीएम किरण अंजना, एसडीओपी निकिता सिंह, तहसीलदार मृगेंद्र सिसोदिया, रामपुरा थाना प्रभारी विपिन मसीह और मनासा थाना प्रभारी शिव रघुवंशी सहित भारी पुलिस बल शामिल रहा।

जनता से संवाद और अफवाहों से बचने की अपील - मार्च के दौरान अधिकारियों ने बाजार में स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों से सीधा संवाद किया। प्रशासन ने सभी से त्योहारों को पारंपरिक हर्षोल्लास और मिल-जुलकर मनाने की अपील की। अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि नागरिक किसी भी प्रकार की भ्रामक अफवाहों पर ध्यान न दें और शहर में किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति के दिखने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें।

सोशल मीडिया और उपद्रवियों पर 'तीसरी आँख' का पहरा - सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए थाना प्रभारी विपिन मसीह ने चेतावनी दी कि शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश करने वाले हुड़दंगियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। पुलिस न केवल सड़कों पर मुस्तैद है, बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। भड़काऊ पोस्ट डालने या गलत जानकारी फैलाने वालों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कानूनी कदम उठाए जाएंगे। प्रशासन की इस सक्रियता का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नगरवासी निर्भय होकर अपने त्योहार मना सकें।

तेज रफ्तार बाइक ने महिलाओं को मारी टक्कर, 5 घायल

बाइक नियंत्रण खोने से हुआ हादसा, घायलों में कुछ की हालत गंभीर

मनासा 2 मार्च (निप्र)। घोटापिपलिया-कुकड़ेश्वर रोड पर सोमवार को एक तेज रफ्तार बाइक ने पैदल जा रही महिलाओं को टक्कर मार दी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

हादसे में घायल हुए - हादसे में बाइक सवार सहित कुल 5 लोग घायल हुए। घायलों में अनिल (तलाऊ), रोड़ी बाई पति भजेसिंह (तलाऊ), सिता बाई और बतुल पति कैलाश (तलाऊ) शामिल हैं। बताया जा रहा है कि कुछ की हालत गंभीर है।

मदद को पहुंची डायल 112 टीम - सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। प्रधान आरक्षक क्रमांक 443 लक्ष्मण सिंह सिसोदिया और पायलेट संजू कुमार मारु ने घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है ।

घटनास्थल पर अफरातफरी, यातायात भी प्रभावित - प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक सवार तेज गति में था और वाहन पर नियंत्रण खो देने के कारण पैदल जा रही महिलाओं से टकरा गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारण कुछ समय के लिए क्षेत्र में यातायात प्रभावित रहा।

दम्पत्ति से मारपीट, जांघ पर काटा, केस दर्ज

पिपलिया स्टेशन (निप्र)। नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम सेसड़ी में पारिवारिक विवाद के चलते मारपीट का मामला सामने आया। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया। पुलिस के अनुसार फरियादी शौकीन बंजारा (25) पिता रामचंद्र बंजारा निवासी सेसड़ी ने नाहरगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मजदूरी कर शाम करीब 7.30 बजे घर लौटा। घर पहुंचने पर उसकी पत्नी शानुबाई ने बताया कि शाम के समय घर का दरवाजा खुला हुआ था। इस संबंध में जब बच्चों से पूछा गया तो उसका जेठ कारुलाल गाली-गलौज करने लगा। फरियादी ने बताया कि उसने अपने भाई कारुलाल को समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी गालियां देने लगा। विरोध करने पर कारुलाल ने लकड़ी से उसके साथ मारपीट की, जिससे फरियादी के दाएं पैर के घुटने, दाएं हाथ की उंगलियों और पीठ में चोटें आईं। साथ ही आरोपी ने बाएं पैर की जांघ पर काट लिया। बताया गया कि बीच-बचाव करने आई पत्नी शानुबाई के साथ भी आरोपी ने धक्का-मुक्की कर हाथ-थप्पड़ों से मारपीट की, जिससे उसके पेट में चोट आई। बाद में परिवार के अन्य सदस्य ने हस्तक्षेप कर दोनों को छुड़ाया। पुलिस ने आरोपी कारुलाल के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

रामपुरा में न्याय व्यवस्था का विस्तार

नगर परिषद के पुराने भवन में शिफ्ट हुआ सिविल न्यायालय, सुविधाओं में होगा इजाफा

रामपुरा (मुकेश राठौर)। नगर के सिविल न्यायालय के लिए सोमवार का दिन एक नई शुरुआत लेकर आया। अब से रामपुरा का सिविल न्यायालय अपने पुराने स्थान यानी बस स्टैंड स्थित राजस्व विभाग के कार्यालय से स्थानांतरित होकर नगर परिषद के पुराने भवन में संचालित होगा। इस नए और विशाल भवन का भव्य शुभारंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र सिंह राजपूत के मुख्य आतिथ्य में फीता काटकर किया गया।

इस अवसर पर अपर सत्र न्यायाधीश मनासा आशुतोष यादव और व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 रौनक पाटीदार विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राधेश्याम सारु, रामचंद्र करेल, सम्राट दीक्षित, अनवर खान, तरुण गांग और मनीष श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता और न्यायिक कर्मचारी उपस्थित थे।

बढ़ते कार्य और आवश्यकता के चलते लिया गया निर्णय - प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामपुरा में यह न्यायालय पहले लिंक कोर्ट के रूप में स्वीकृत हुआ था, जो धीरे-धीरे सिविल न्यायालय के रूप में पूर्णतः स्थापित हो गया। कार्यों में निरंतर वृद्धि और परिवादियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बस स्टैंड स्थित पुराना स्थान काफी छोटा पड़ रहा था। ऐसे में एक बड़े भवन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। नगर परिषद का पुराना कार्यालय भवन रिक्त होने के बाद, लोक निर्माण विभाग के माध्यम से उसे न्यायलय की जरूरतों के अनुरूप दुरूस्त करवाया गया है।

आधुनिक सुविधाओं से लैस हुआ नया कोर्ट परिसर - न्यायिक कार्यों को सुगम बनाने के उद्देश्य से इस भवन में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। अब यहां न्यायिक मजिस्ट्रेट के लिए अलग कक्ष, अधिवक्ताओं के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था और परिवादियों के लिए प्रतीक्षा कक्ष जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। नया परिसर अधिक विस्तृत और व्यवस्थित होने के कारण अब अधिवक्ताओं और आम नागरिकों को अपने कार्यों के निष्पादन में काफी सहूलियत मिलेगी।

अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राधेश्याम सारु ने इस स्थानांतरण पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि पहले की अपेक्षा नया परिसर काफी बड़ा है, जिससे न्यायिक कार्य अधिक सुगमता से संपन्न होंगे और सभी संबंधित पक्षों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी।

जिले की स्थानीय ग्राम पंचायत कोटड़ी ईस्थमुरार में सरपंच कप टूर्नामेंट का सफल आयोजन

नीमच। सरपंच श्रीपाल सिंह सिसोदिया से मिला जानकारी के अनुसार यह टूर्नामेंट दिनांक 26फरवरी से प्रारंभ होकर फाइनल 3मार्च को हुआ जिसमें जिले की वह जिले के बाहर की कुल 16टीम ने हिस्सा लिया उक्त टूर्नामेंट में प्रथम स्थान पर हरकियाखाल टीम रही जिसको 31000 का नगद इनाम दिया गया वहीं द्वितीय स्थान पर रातडिया रही जिसको 15000 का नगद पुरस्कार दिया गया टूर्नामेंट के शुभारंभ अवसर पर नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जिन्होंने मैदान के निर्माण हेतु 10 लाख की राशि स्वीकृत करी उन्होंने अपने उद्बोधन में कहां की खेलभावना से आत्मीयता काभाव बढ़ता है ऐसे आयोजन करवाने से युवाओं में खेल के प्रति खेल भावना को बढ़ावा मिलता है इस अवसर विधायक ने उपस्थित खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा है कि आज की युवा पीढ़ी जीवन की भागदौड़ और व्यवस्था के कारण खेलों से दूर होती जा रही है उक्ताआयोजन का आशय खिलाड़ियों में खेल की भावनाओं को बढ़ावा देना और आपसी भाईचारे का मजबूत करने का होता है उक्त टूर्नामेंट आयोजित को देखने के लिए जिले के हजारों युवा व खेल प्रेमियों का तांता लगा हुआ है दिनांक 26 फरवरी सरपंच कप टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि के रुप में मंडल अध्यक्ष मदन जी गुर्जर भाजपा जिला उपाध्यक्ष निलेश जी पाटीदार महामंत्री दिलीप सिंह जी चौहान शुभम जी शर्मा जीतू बना सरपंच अरुण मेघवाल जितेंद्र अहीर बड़ी युवा खिलाड़ी उपस्थित रहे जिनका स्वागत सरपंच प्रतिनिधि श्रीपाल सिंह सिसोदिया व आयोजन समिति के सदस्यों ने पुष्प हार पहना कर स्वागत किया

कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष

वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा के मकान को कुछ परिस्थिति को छोड़कर अशुभ और नकारात्मक प्रभाव वाला माना जाता है। दरअसल, हर दिशा में कोई न कोई ग्रह स्थित है जो कि अपना अच्छा या बुरा प्रभाव डालता है। यह निर्भर करता है मकान के वास्तु, मुहल्ले के वास्तु और उसके आसपास स्थित वातावरण और वृक्षों की स्थिति पर।

प्रत्येक ग्रह का अपना एक वृक्ष होता है। जैसे चंद्र की शनि से नहीं बनती और यदि आपने घर के सामने चंद्र एवं शनि से संबंधित वृक्ष या पौधे लगा दिए हैं तो यह कुंडली में चंद्र और शनि की युति के समान होते हैं जो कि विषयोग कहा गया है। आओ जानते हैं कि कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष?

- यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने द्वार से दोगुनी दूरी पर स्थित नीम का हराभरा वृक्ष है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।
- यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने मकान से दोगना बड़ा कोई दूसरा मकान है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।
- दक्षिणमुखी मकान का दोष खत्म करने के लिए द्वारा के उपर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र भी लगाना चाहिए।
- दक्षिण मुखी प्लाट में मुख्य द्वार आग्नेय कोण में बना है और उत्तर तथा पूर्व की तरफ ज्यादा व पश्चिम व दक्षिण में कम से कम खुला स्थान छोड़ा गया है तो भी दक्षिण का दोष कम हो जाता है।। बगीचे में छोटे पौधे पूर्व-ईशान में लगाने से भी दोष कम होता है।
- आग्नेय कोण का मुख्यद्वार यदि लाल या मरून रंग का हो, तो श्रेष्ठ फल देता है। इसके अलावा हरा या भूरा रंग भी चुना जा सकता है। किसी भी परिस्थिति में मुख्यद्वार को नीला या काला रंग प्रदान न करें।
- दक्षिण मुखी भूखण्ड का द्वार दक्षिण या दक्षिण-पूरब में कतई नहीं बनाना चाहिए। पश्चिम या अन्य किसी दिशा में मुख्य द्वार लाभकारी होता हैं।
- यदि आपका दरवाजा दक्षिण की तरफ है तो द्वार के ठीक सामने एक आदमकद दर्पण इस प्रकार लगाएं जिससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति का पूरा प्रतिबिंब दर्पण में बने। इससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति के साथ घर में प्रवेश करने वाली नकारात्मक उर्जा पलटकर वापस चली जाती है।

कैसा होना चाहिए घर का मुख्य द्वार

घर के दरवाजे बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। कई बार हम मकान खरीदते वक्त या बनवाते वक्त यह ध्यान नहीं देते हैं कि किस प्रकार के दरवाजे लगाए जा रहे हैं। घर का मुख्य द्वार वास्तु अनुसार होता है तो कई समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाती है। बेहतर होगा कि दरवाजा शीशम या सागौन की लकड़ी और धातु का बना हो। दरजावा किसी भी प्रकार सा टूटा फूटा या तिरछा नहीं होना चाहिए। द्वार के खुलने बंद होने में आने वाली चरमराती ध्वनि स्वरवेध कहलाती हैं जिसके कारण आकस्मिक अप्रिय घटनाओं को प्रोत्साहन मिलता है। आओ जानते हैं कि घर का मुख्य द्वार कैसा होना चाहिए।

- एक सीध में तीन दरवाजे नहीं होना चाहिए।
- दरवाजे के भीतर दरवाजा नहीं बनाना चाहिए।
- एक पल्ले वाला दरवाजा नहीं होना चाहिए। दो पल्ले वाला हो।
- ऐसा दरवाजा नहीं होना चाहिए जो अपने आप खुलता या बंद हो जाता हो।
- घर का मुख्य द्वार बाहर की ओर खुलने वाला नहीं होना चाहिए।
- कुछ दरवाजे ऐसे होते हैं जिनमें खिड़कियां होती हैं ऐसे दरवाजों में वास्तुदोष हो सकता है।
- मुख्य द्वार त्रिकोणाकार, गोलाकार, वर्गाकार या बहुभुज की आकृति वाला नहीं होना चाहिए।
- मुख्य दरवाजा छोटा और उसके पीछे का दरवाजा बड़ा नहीं होना चाहिए। मुख्य दरवाजा बड़ा होना चाहिए।
- घर के ऊपरी माले के दरवाजे निचले माले के दरवाजों से कुछ छोटे होने चाहिए।
- घर में दो मुख्य द्वार हैं तो वास्तुदोष हो सकता है। विपरीत दिशा में दो मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए।

क्या कोई युग लाखों वर्ष का होता है

युग क्या होता है इस संबंध में 5 तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। दूसरी बात यह कि भारत के धार्मिक इतिहास को युगों की प्रचलित धारण में लिखना या मानना कितना उचित है? जैसे कि श्रीराम जी त्रैता में और श्रीकृष्ण जी द्वापर में हुए थे। इस तरह तो इतिहास कभी नहीं लिखा जा सकता है। इतिहास को तो तारीखों में ही लिखना होता है और वह भी तथ्य और प्रमाणों के साथ। आओ जानते हैं कि युग की 5 मान्यताएं।

उल्लेखनीय है कि आपने सुना ही होगा मध्ययुग, आधुनिक युग, वर्तमान युग जैसे अन्य शब्दों को। इसका मतलब यह कि युग शब्द को कई अर्थों में प्रयुक्त किया जाता रहा है। मतलब यह कि युग का मान एक जैसी घटनाओं के काल से भी निर्धारित हो सकता है। तो क्या यह सही है या कि युग की धारणा कुछ और ही है?

पहली मान्यता

युग के बारे में कहा जाता है कि 1 युग लाखों वर्ष का होता है, जैसा कि सतयुग लगभग 17 लाख 28 हजार वर्ष, त्रेतायुग 12 लाख 96 हजार वर्ष, द्वापर युग 8 लाख 64 हजार वर्ष और कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का बताया गया है।

दूसरी मान्यता

एक पौराणिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक युग का समय 1250 वर्ष का माना गया है। इस मान से चारों युग की एक चक्र 5 हजार वर्षों में पूर्ण हो जाता है।

तीसरी मान्यता

भारतीय ज्योतिषियों ने समय की धारणा को सिद्ध धरती के सूर्य की परिक्रमा के आधार पर नहीं प्रतिपादित किया है। उन्होंने संपूर्ण तारामंडल में धरती के परिभ्रमण के पूर्ण कर लेने तक की गणना करके वर्ष के आगे के समय को भी प्रतिपादित किया है। वर्ष को 'संवत्सर' कहा गया है। 5 वर्ष का 1 युग होता है। संवत्सर, परिवत्सर, इद्वत्सर, अनुवत्सर और युगवत्सर ये युगात्मक 5 वर्ष कहे जाते हैं। बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि 60 वर्षों में 12 युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में 5-5 वत्सर होते हैं। 12 युगों के नाम हैं- प्रजापति, धाता, वृष, व्यय, खर, दुर्मुख, प्लव, पराभव, रोधकृत, अनल, दुर्मति और क्षय। प्रत्येक युग के जो 5 वत्सर हैं, उनमें से प्रथम का नाम संवत्सर है। दूसरा परिवत्सर, तीसरा इद्वत्सर, चौथा अनुवत्सर और 5वां युगवत्सर है।

चौथी मान्यता

ऋग्वेद के अन्य 2 मंत्रों से 'युग' शब्द का अर्थ काल और अहोरात्र भी सिद्ध होता है। 5वें मंडल के 76वें सूक्त के तीसरे मंत्र में 'नहुषा युगा मन्हारजांसि दीयथः' पद में युग शब्द का अर्थ 'युगोपलक्षितान कालान प्रसरादिसवनान अहोरात्रादिकालान वा' किया गया है। इससे स्पष्ट है कि उदय काल में युग शब्द का अन्य अर्थ अहोरात्र विशिष्ट काल भी लिया जाता था। ऋग्वेद के छठे मंडल के नौवें सूक्त के चौथे मंत्र में 'युगे-युगे विदध्यं' पद में युगे-युगे शब्द का अर्थ 'काले-काले' किया गया है। वाजसनेयी संहिता के 12वें अध्याय की 11वीं कंडिका में 'दैव्यं मानुषा युगा' ऐसा पद आया है। इससे सिद्ध होता है कि उस काल में देव युग और मनुष्य युग ये 2 युग प्रचलित थे। तैतिरीय संहिता के 'या जाता ओ वधयो देवेभ्यस्त्रियुगं पुरा' मंत्र से देव युग की सिद्धि होती है।

पांचवीं मान्यता

धरती अपनी धूरी पर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकंड अर्थात 60 घटी में 1,610 प्रति किलोमीटर की रफ्तार से घूमकर अपना चक्कर पूर्ण करती है। यही धरती अपने अक्ष पर रहकर सौर मास के अनुसार 365 दिन 5 घंटे 48 मिनट और 46 सेकंड में सूर्य की परिक्रमा पूर्ण कर लेती है, जबकि चन्द्रमास के अनुसार 354 दिनों में सूर्य का 1 चक्कर लगा लेती है। अब सौरमंडल में तो राशियां और नक्षत्र भी होते हैं। जिस तरह धरती सूर्य का चक्कर लगाती है उसी तरह वह राशि मंडल का चक्कर भी लगाती है। धरती को राशि मंडल की पूरी परिक्रमा करने या चक्कर लगाने में कुल 25,920 साल का समय लगता है। इस तरह धरती का एक भोगकाल या युग पूर्ण होता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि लगभग 26,000 वर्ष बाद हमेशा ही उत्तर में दिखाई देने वाला ध्रुव तारा अपनी दिशा बदलकर पुनः उत्तर में दिखाई देने लगता है।

धर्म शास्त्रों में भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। सूर्य उपासना से न केवल सुख-समृद्धि आती है, बल्कि यश भी बढ़ता है।

सूर्योपासना के समय जपें ये खास मंत्र

महिलाओं को रविवार और सोमवार को सूर्योपासना से घर में समृद्धि व गर्भवती महिलाओं को गुणी पुत्र की प्राप्ति होती है।

बह्मवैवर्त पुराण के अनुसार इन दिनों में खेजड़ी के पेड़ के नीचे प्रातः काल सूर्योपासना करते हुए इस मंत्र का 51 बार जाप करने से लाभ मिलता है-

नमः उग्राय वीराय सारंगाय नमो नमः।
नमः पद्मप्रबोधाय प्रचंडाय नमोस्तु ते।।
ओम आदित्याय नमः।

आत्मबल, बुद्धि, इन्द्रियों में सौम्यता, शिष्टता, काम, क्रोधादि शमन व मानसिक पीड़ा से मुक्ति के लिए इन महीनों में आने वाले हर रविवार को खेजड़ी के नीचे सूर्य के सामने बैठ इस मंत्र का 51 बार वाचन करें। पेड़ के नीचे की मिट्टी को लाकर घर में फेंकना शुभ होता है।

ओम नमः पूर्वाय गिरये पश्चिमायाद्रये नमः।
ज्योतिर्गणानां पतये दिनाधिपतये नमः।।
ओम सूर्याय नमः।

जिन महिलाओं को संतान सुख न हो, ऐसी महिलाओं को आंवले के पेड़ के नीचे अथर्ववेद के इस मंत्र का 101 बार जाप व सूर्य देव को जल सिंचन करने से संतान प्राप्ति सुख संभव है-

परिहस्त विधारय योनिं गर्भाय धातवे।
ओम भास्कराय नमः।

नीलें रंग के अपराजिता (विष्णुकान्ता) नामक पौधे के नीचे इस मंत्र का जाप करने से घर के मुकदमेबाजी व न्यायालय में विजय, घर में समृद्धि व स्नायु तंत्र (नर्वस सिस्टम), चर्म रोग व श्वसन संबंधी रोगों से मुक्ति मिलती है। इस पौधे के न होने की दशा में पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर सूर्य को जल सिंचन कर इस मंत्र का 101 बार जाप करें -

ओम विश्वानिदेव सवितुः दुरितानि परांसुवः
यद् भद्रं तन्नासुवः। सूर्य कृणोतु भेशजं
चन्द्रमा वोपोच्छतु।।
ओम सूर्याय नमः।

दीर्घायु व हृदय संबंधी बीमारियों के लिए आश्विन व कार्तिक मास के प्रति रविवार बड़, ढाक, अशोक या सूर्यमुखी पौधे के नीचे आदित्य हृदय स्तोत्रम का पाठ करें या अथर्ववेद के इस मंत्र का 51 बार जाप करें -

उत सूर्योदेव एति पुरो रक्षांसि निजूर्वन।
ओम भानवे नमः।

कुशाग्र बुद्धि, इंटरव्यू में सफलता व शिक्षा से जुड़े पक्षों तथा वायु संबंधी रोगों के निवारण के लिए अथर्ववेद के इस मंत्र का पीपल के पेड़ के नीचे प्रातः काल हर रविवार इस मंत्र के जाप से मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

यं जीवमष्नवामहै न स रिष्याति पुरुषः।
त्वं सूर्यस्य रश्मिभिस्त्वं नोअसियज्ञिया।।
ओम सूर्याय नमः।

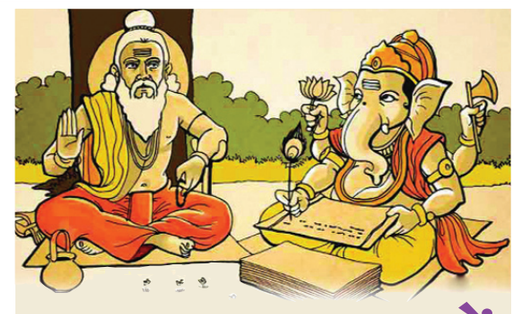

महाभारत काल में हुआ था गणेशजी का गजानन अवतार

मोदक प्रिय श्री गणेशजी विद्या-बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता हैं तथा थोड़ी उपासना से ही प्रसन्न हो जाते हैं। उन्हें हिन्दू धर्म में प्रथम पूज्य देवता माना गया है। किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के पूर्व उन्हीं का स्मरण और पूजन किया जाता है। गणेशजी ने तीनों युग में जन्म लिया है और वे आगे कलयुग में भी जन्म लेंगे।

धर्मशात्रों के अनुसार गणपति ने 64 अवतार लिए, लेकिन 12 अवतार प्रख्यात माने जाते हैं जिसकी पूजा की जाती है। अष्ट विनायक की भी प्रसिद्धि है। आओ जानते हैं उनके द्वापर के अवतार गजानन के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- द्वापर युग में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं।
- द्वापर युग में गणपति ने पुनः पार्वती के गर्भ से जन्म लिया व गणेश कहलाए।
- परंतु गणेश के जन्म के बाद किसी कारणवश पार्वती ने उन्हें जंगल में छोड़ दिया, जहां पर पराशर मुनि ने उनका पालन-पोषण किया। ऐसा भी कहा जाता है कि वे महिष्मति वरेण्य वरेण्य के पुत्र थे। कुरुप होने के कारण उन्हें जंगल में छोड़ दिया गया था।
- इन्हीं गणेशजी ने ही ऋषि वेदव्यास के कहने पर महाभारत लिखी थी।
- इस अवतार में गणेश ने सिंदुरासुर का वध कर उसके द्वारा कैद किए अनेक राजाओं व वीरों को मुक्त कराया था।
- इसी अवतार में गणेश ने वरेण्य नामक अपने भक्त को गणेश गीता के रूप में शाश्वत तत्व ज्ञान का उपदेश दिया।

सुनसान जगह पर नहीं रहना चाहिए घर

हिन्दू पुराणों और वास्तु शास्त्र में कुछ जगहों पर एक सभ्य व्यक्ति को नहीं रहना चाहिए। यदि वह वहां रहता है तो निश्चित ही उसके जीवन और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। घर यह सुकून का नहीं है तो कैसे जीवन में सुकून आएगा। जैसे चौराहे, तिराहे, अवैध गतिविधियों वाली जगह, शोर मचाने वाली दुकान या फैक्ट्री आदि। इन्हीं में से एक है सुनसान इलाका। दरअसल, आप जहां रहते हैं उस स्थान से ही आपका भविष्य तय होता है। यदि आप गलत जगह रह रहे हैं तो अच्छे भविष्य की आशा मत कीजिये। आओ जानते हैं कि क्यों नहीं रहना चाहिए सुनसान जगह पर।

- दो तरह के सुनसान होते हैं एक मरघट की शांति वाले और दूसरे एकांत की शांति वाले। कई लोग एकांत में रहना पसंद करते हैं। इसके चलते वे सुनसान में रहने चले जाते हैं। सुनसान जगह पर रहने के कई खतरें हैं और साथ ही शास्त्रों में ऐसी जगहों पर रहने की मनाही है।
- भविष्य पुराण अनुसार आपका घर नगर या शहर के बाहर नहीं होना चाहिए। गांव या शहर में रहना ही तुलनात्मक रूप से अधिक सुरक्षित होता है।
- यदि घर बहुत सुनसान स्थान पर या शरह-गांव के बाहर होगा तो जब भी आप घर से बाहर कहीं जाएंगे उस दौरान आपके मन और मस्तिष्क में घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी।
- यह तो आप भी जाते होंगे कि सभी सुनसान स्थान पर अपराधी आसानी से अनिष्ट संबंधी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं।
- दूसरी बात यदि शहर से दूर घर है तो रात-बिरात आने जाने में भी आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, भले ही आपके पास कार या बाइक हो।
- सुनसान जगहों को राहु और केतु की बुराई का स्थान माना जाता है। यहां पर घटना और दुर्घटना के योग बने रहते हैं।
- सुनसान जगहों पर नकारात्मक ऊर्जा और नकारात्मक विचार बहुत तेजी से पनपते हैं।
- जहां अस्पताल, विद्यालय, नदी, तालाब, स्वजन या मनुष्य की आबादी नहीं है वहां पर नहीं रहना चाहिए।

लाखों के गहनों की चोरी, सूने मकान को बनाया निशाना

नीमच, निप्र। शहर की हुडको कॉलोनी में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। वारदात मकान नंबर 234 में हुई, जिसकी मालकिन सीमा अवस्थी 25 फरवरी को किसी काम से कोटा गई हुई थीं। मंगलवार को जब वे वापस लौटीं, तो घर की दूसरी मंजिल पर बालकनी का दरवाजा खुला हुआ था और कमरे के अंदर सामान बिखरा पड़ा था।

घर लौटने पर खुली मिली दूसरी मंजिल की बालकनी - मंगलवार को घर लौटने पर सीमा अवस्थी ने पाया कि दूसरी मंजिल की बालकनी का दरवाजा खुला हुआ था और कमरे के अंदर सामान बिखरा पड़ा था।

चोरों ने छत का रास्ता अपनाया - पीड़िता ने बताया कि चोर संभवतः आसपास के मकानों की छतों के रास्ते उनकी दूसरी मंजिल तक पहुंचे और बालकनी के जरिए घर में घुसे। चोरों ने अलमारी को तोड़े बिना नकली चाबी से लॉकर खोलकर गहने चुराए।

चोरी गए जेवरात की जानकारी - सीमा अवस्थी ने बताया कि अलमारी के सेफ में रखी पोटली गायब थी, जिसमें सोने का हार, चार चूड़ियां, अंगूठियां और टीका, चांदी की करधनी व पायजेब शामिल थे

पुलिस जुटा रही सबूत - नीमच कैंट पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने घर का मुआयना करने के बाद आसपास के सीसीटीवी फुटेज एकत्र करना शुरू कर दिया है, ताकि चोरों का पता लगाया जा सके।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना मसाला उद्योग स्थापित कर, सफल उद्यमी बने नीमच के संस्कार पाटीदार

नीमच । प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के लाभ लेकर नीमच के गांव बिसलवास कला के युवा उद्यमी श्री संस्कार पाटीदार ने 12.24 लाख रूपये राशि से श्री उत्सव मसाला उद्योग के नाम से अपनी मसाला प्रसंस्करण उद्योग ईकाई स्थापित कर उसका सफलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। युवा उद्यमी श्री संस्कार पाटीदार ने उद्यानिकी विभाग के सहयोग से पीएमएफएमई योजना के तहत अजवाईन एवं अन्य मसाला प्रसंस्करण ईकाई स्थापित करने के लिए 12.24 की राशि से उद्योग स्थापित किया हैं।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत संस्कार पाटीदार को अजवाईन व अन्य मसाला उद्योग स्थापित करने के लिए बैंक आफ इंडिया से 9.80 लाख रूपये का ऋण स्वीकृत हुआ है। इस पर उन्हें शासन की ओर से 4.28 लाख रूपये का अनुदान भी मिला हैं। अपना स्वयं का मसाला उद्योग स्थापित कर श्री संस्कार पाटीदार ब्रांड नेम अग्निपुष्प नाम से अपना स्वयं का प्रसंस्करित मसाला तैयार कर, अपने उत्पाद को स्थानीय बाजार एवं उदयपुर, जयपुर(राजस्थान) में विक्रय कर प्रति वर्ष 8 से 10 लाख रूपये की आय प्राप्त कर रहे है। संस्कार पाटीदार ने पीएमएफएमई योजना का लाभ लेकर न केवल अपने स्वयं का उद्योग स्थापित कर अपना रोजगार सृजित किया है, बल्कि अन्य लोगो भी रोजगार उपलब्ध करवा रहे है। श्री संस्कार पाटीदार पीएमएफएमई योजना से मिले लाभ से आज सफल उद्यमी बन गये है। उन्होने आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह चुन ली हैं। वे आज अपने परिवार और क्षेत्र की समृद्धि में अपना योगदान भी दे रहे हैं।

उल्लेखनीय है, कि कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में नीमच जिले में पी.एम.एफ.एम.ई. योजना के तहत अब तक कुल 205 हितग्राहियों को लाभांवित किया गया है। इस वित्तीय वर्ष में 120 हितग्राहियों को लाभांवित कर, नवीन उद्योग इकाईयां स्थापित करवाई गई है। इस योजना के क्रियान्वयन में नीमच जिला प्रदेश एवं संभाग के अग्रणी जिलो में शामिल है।

लहसुन की आड़ में डोडाचूरा तस्करी का खुलासा

पिपलिया मण्डी । अंतरराज्यीय तस्करी के एक सनसनीखेज मामले में हरियाणा की सिरसा पुलिस ने पिपलिया कृषि पहुंचकर मंडी व्यापारी संतोष रत्नावत के गोदाम पर दबिश दी। पुलिस ने मौके पर बयान दर्ज किए, दस्तावेजों की जांच की तथा पंचनामा तैयार किया। कार्रवाई उस मामले में की गई है, जिसमें लहसुन की खेप के साथ हरियाणा में गत् दिनों डोडाचूरा बरामद हुआ था।

हरियाणा की सिरसा पुलिस की पिपलिया कृषि मंडी में दबिश व्यापारी के गोदाम पर जांच, हाईवे के ढाबों पर उठे सवाल

तीन टन लहसुन की खेप, रास्ते में पकड़ी गई पिकअप :-जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पूर्व व्यापारी द्वारा करीब तीन टन लहसुन पंजाब के लिए पिकअप वाहन से रवाना की गई थी। हरियाणा में नियमित चेकिंग के दौरान सिरसा पुलिस ने उक्त पिकअप को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन से डोडाचूरा बरामद होने पर पुलिस भी चौंक गई। पुलिस ने तत्काल वाहन चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। प्रारंभिक पूछताछ में चालक ने बताया कि उसने पिपलिया मंडी से लहसुन भरवाने के बाद फोरलेन मार्ग पर आगे बढ़ते समय सुंठोद स्थित एक ढाबे से डोडाचूरा लोड किया था। यहाँ पहुंची जांच टीम चालक के बयान के आधार पर सिरसा पुलिस की टीम पिपलिया पहुंची और व्यापारी के गोदाम पर तस्दीक की। पुलिस ने यह स्पष्ट करने के लिए जांच की कि क्या व्यापारी को प्रतिबंधित पदार्थ की जानकारी थी या यह तस्करी चालक ने स्वयं की ? पुलिस सूत्रों के अनुसार, गोदाम से संबंधित दस्तावेज, बिल-रसीद एवं परिवहन से जुड़े कागजात खंगाले गए हैं। व्यापारी से भी विस्तृत पूछताछ की गई है। फिलहाल सिरसा पुलिस सभी पहलुओं की बारीकी से जांच कर रही है।

सुंठोद ढाबा जांच के घेरे में :- चालक के बयान में जिस ढाबे का जिक्र किया गया, वह मल्हारगढ़ थाना क्षेत्र के सुंठोद में फोरलेन हाईवे पर स्थित बताया जा रहा है। इस खुलासे के बाद हाईवे पर संचालित ढाबों की गतिविधियां एक बार फिर संदेह के घेरे में आ गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से कुछ ढाबों पर संदिग्ध गतिविधियां संचालित होने की चर्चा रही है। लेकिन बीते कई माह से पुलिस ने अभी तक तस्करी को लेकर कोई कार्रवाई नही की है। आरोप है कि स्थानीय पुलिस की नाकामी के चलते हाईवे के कुछ ढाबे तस्करों के लिए सुरक्षित ठिकाना बनते जा रहे हैं, जहां से अवैध मादक पदार्थों की सप्लाई की जाती है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई पर सवाल :- चालक द्वारा ढाबे से डोडाचूरा भरने की बात कबूल करने के बावजूद अब तक संबंधित ढाबे के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कोई स्पष्ट कार्रवाई सामने नहीं आई है। इसे लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। बताया गया सुंठोद के एक व्यापारी का भी तस्करी में नाम सामने आया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कड़ी कार्रवाई हो, तो इस प्रकार की तस्करी पर अंकुश लगाया जा सकता है।

पुलिस बोली, जांच जारी :- पिपलियामंडी पहुंचे सिरसा पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है। डोडाचूरा किसने भरवाया, इसके पीछे कौन-कौन शामिल है तथा क्या यह संगठित गिरोह का हिस्सा है, इन सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही दोषियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कृषि उपज परिवहन पर खड़ा हुआ सवाल :- इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या कृषि उत्पादों की आड़ में मादक पदार्थों की तस्करी का जाल प्रदेशों के बीच फैलता जा रहा है ? अब देखना होगा कि जांच किस दिशा में आगे बढ़ती है और किन-किन पर कार्रवाई होती है। बताया गया इसमे एक पिकअप नीमच से भी लोड हुई थी इसमे भी डोडाचूरा था। फिलहाल सिरसा पुलिस नीमच में भी डोडाचूरा तस्करी के नेटवर्क को लेकर जांच कर रही है।

शादी का दबाव बनाकर दो लाख रुपये मांगे, नहीं देने पर मारपीट, तीन आरोपियों पर केस दर्ज

पिपलिया मण्डी 2 मार्च (निप्र)। थाना नाहरगढ़ में शादी के लिए दबाव बनाकर दो लाख रुपये की मांग करने, मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर तीन आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया। मुकेश सूर्यवंशी (38) पिता प्रेमचंद सूर्यवंशी निवासी पिपलिया कराड़िया ने नाहरगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई की सुबह करीब 9.30 बजे वह अपने भतीजे संजय के घर के सामने खड़ा था, तभी मुन्ना बागरी, अनिल बागरी तथा राजु उर्फ राजेश बागरी वहां आए। तीनों ने मुकेश पर उसकी बेटी की शादी अपने साथ करने का दबाव बनाते हुए कहा कि यदि शादी नहीं करोगे तो दो लाख रुपये देने पड़ेंगे। फरियादी ने रुपये देने से इनकार करने पर आरोपियों ने गालियां देना शुरू कर दीं। विरोध करने पर अनिल बागरी ने लकड़ी से मुकेश के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसके सिर में चोट आई और खून निकलने लगा। शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंची पत्नी अंगूरबाला व भतीजे संजय पर भी आरोपियों ने हमला किया। बताया गया कि मुन्ना बागरी ने लकड़ी से संजय की गर्दन पर तथा अंगूरबाला की पीठ पर वार किया, जिससे दोनों को चोटें आईं। फरियादी ने आरोप लगाया कि तीनों जबरन रुपये वसूलने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर घायलों का चिकित्सीय परीक्षण कराया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

नपा अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा ने दी होली की शुभकामनाएं

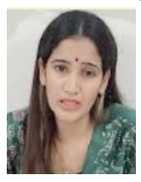

नीमच । नगर पालिका परिषद नीमच की अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा ने रंगों के पावन पर्व होली पर समस्त शहरवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी के उज्ज्वल भविष्य एवं सुख-समृद्धि की कामना की है। अपने संदेश में श्रीमती चोपड़ा ने कहा कि होली का पर्व असत्य पर सत्य की विजय तथा प्रेम और भाईचारे का प्रतीक है। यह त्यौहार हमें आपसी सौहार्द बढ़ाने का संदेश देता है।

कलेक्टर एवं एस.पी. ने दी होली पर्व की बधाई

नीमच । कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने जिलेवासियों को होली की शुभकामनाएं दी है। अधिकारीगणों ने अपने शुभकांमना संदेश में कहा, कि सूखे रंगों से होली खेले। पानी का अपव्यय ना करें और किसी पर भी उसकी इच्छा के विरूद्ध रंग ना डाले तथा होली पर प्रेम व भाईचारे की परम्परा बरकरार रखें।

प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया ने दी होली की शुभकामनाएं

नीमच । प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने प्रदेश के साथ ही नीमच जिलेवासियों को होली की शुभकामनाएं दी है। प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया ने अपने संदेश में कहा, कि रंगों का यह पर्व हमें आपसी भाईचारे, सदभाव, प्रेम के साथ मिल जुलकर रहने और अपनी खुशियां एक-दूसरे के साथ बांटने का संदेश देता हैं। प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया ने सभी जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों को होली पर शुभकामनाएं देते हुए, आशा व्यक्त की है, कि रंगों का यह पर्व सभी के जीवन में खुशी और तरक्की के नये रंग भरेगा।

मारपीट व जान से मारने की धमकी पर प्रकरण दर्ज

पिपलिया स्टेशन (निप्र)। थाना मल्हारगढ़ क्षेत्र में एक महिला के साथ मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपी पृथ्वीराज भाटी के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया। फरियादिया नीतु भाटी, निवासी ग्राम बोरखेड़ी इंदौर ने मल्हारगढ़ रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके पति राजेन्द्रकुमार चार भाई हैं और चारों भाइयों का एक साझा कुआं है। उनके जेठ पृथ्वीराज भाटी घर के बाहर आए और उन्हें गालियां देते हुए बाहर बुलाया। जब नीतु भाटी बाहर आईं तो आरोपी ने फसल को कुएं से पानी देने को लेकर विवाद किया। फरियादिया के अनुसार फसल सूखने की स्थिति में होने के कारण उन्होंने पानी दिया था। इसी बात से नाराज होकर आरोपी ने हाथ में ली हुई लकड़ी से उनके साथ मारपीट की, जिससे दोनों पैरों, बाएं हाथ एवं पीठ पर चोटें आईं। पैर में अधिक दर्द होने के कारण सरकारी अस्पताल नारायणगढ़ ले जाया गया, जहां मेडिकल परीक्षण कराया गया। पुलिस ने आरोपी पृथ्वीराज के खिलाफ मारपीट व धमकी देने की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।